RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

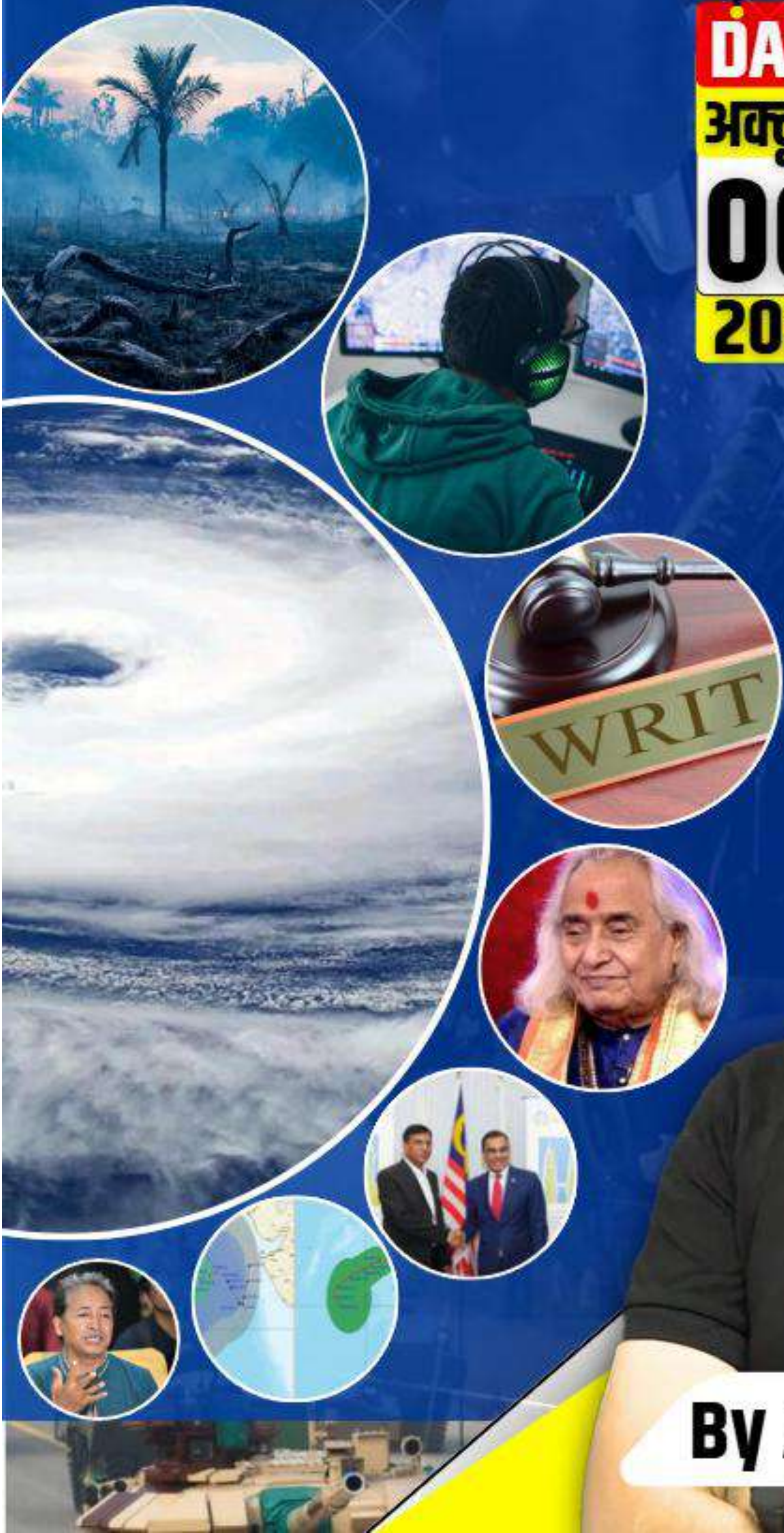

DATE
अक्टूबर
06
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

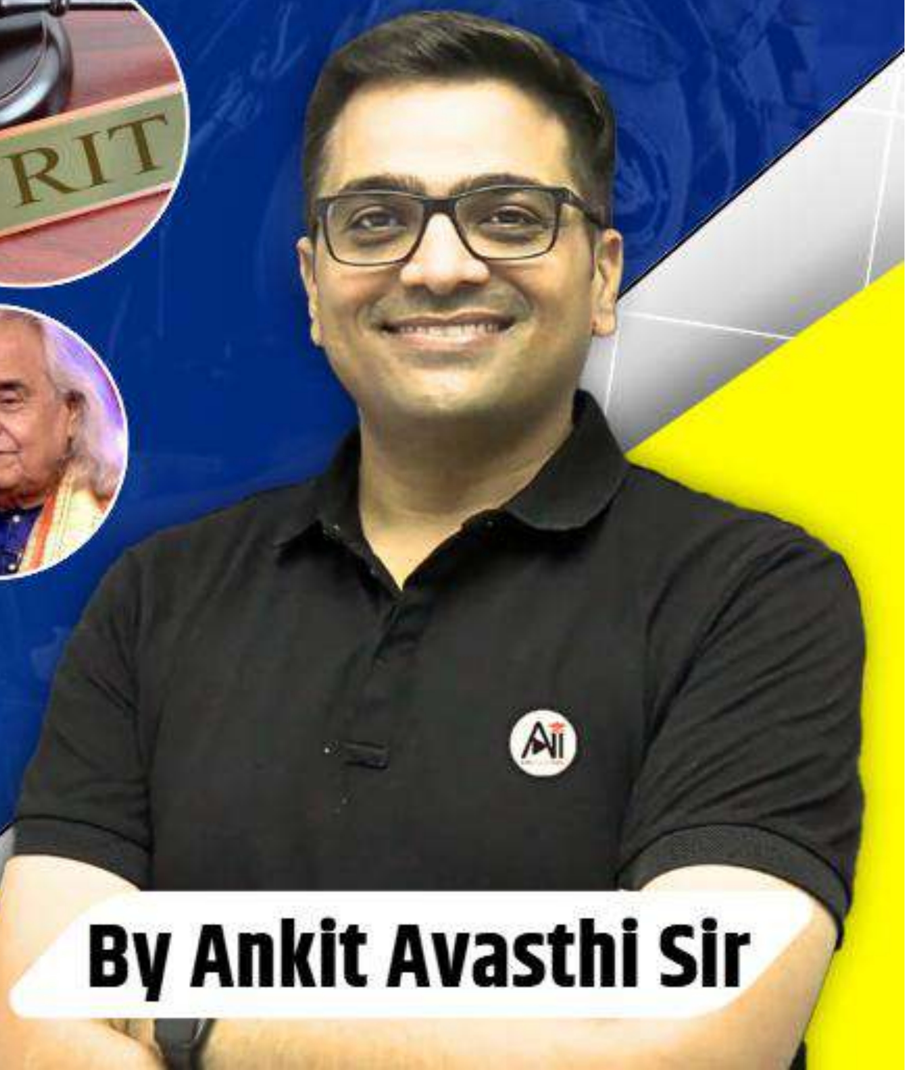

By Ankit Avasthi Sir

ऑनलाइन गेमिंग के लिए मसौदा नियम / Draft Rules for Online Gaming

संदर्भ:

इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने **ऑनलाइन गेमिंग एक्ट, 2025** के तहत ड्राफ्ट नियम जारी किए हैं। यह कानून अगस्त 2025 में राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद लागू हुआ था। इसका उद्देश्य भारत में **ऑनलाइन गेमिंग को विनियमित करना**, उपयोगकर्ताओं की **सुरक्षा सुनिश्चित करना**, और **पैसे-आधारित ऑनलाइन खेलों से जुड़ी सामाजिक व सुरक्षा चिंताओं** को नियंत्रित करना है।

ऑनलाइन गेमिंग बिल की प्रमुख प्रावधान (Major Provisions):

1. ऑनलाइन गेमिंग अथॉरिटी ऑफ इंडिया (OGAI):

- **उद्देश्य:** ऑनलाइन गेमिंग क्षेत्र की निगरानी के लिए एक **समर्पित नियामक संस्था** बनाना।
- **अधिकार:** अर्ध-न्यायिक (Quasi-judicial) अधिकार – व्यक्तियों को तलब करना, साक्ष्य जांचना और बाध्यकारी आदेश जारी करना।
- **संरचना:** एक **अध्यक्ष** और **5 सदस्य** (विभिन्न मंत्रालयों से)।
- **मुख्य कार्य:**
  - यह तय करना कि कोई गेम **"ऑनलाइन मनी गेम"** है या नहीं।
  - गेम्स का **पंजीकरण (Registration)** और प्रमाणपत्र जारी करना।
  - **दंड लगाना** और निर्देश जारी करना।
  - यदि कोई गेम अपने मॉडल में **सट्टेबाजी या जुआ** शामिल करे तो उसका पंजीकरण रद्द करना।

2. कानून का दायरा (Scope of the Act):

- यह सभी प्रकार के **ऑनलाइन मनी गेम्स** पर लागू होगा – जैसे पोकर, फैंटेसी स्पोर्ट्स, सट्टेबाजी आदि।
- केवल **"ऑनलाइन सोशल गेम्स"** और **ई-स्पोर्ट्स** की अनुमति दी जाएगी।
- **सट्टेबाजी और जुए** पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा।

3. पंजीकरण (Registration):

- **ई-स्पोर्ट्स** और **सोशल गेम्स** दोनों का पंजीकरण OGAI के साथ अनिवार्य होगा।
- पंजीकरण प्रमाणपत्र की वैधता अधिकतम **5 वर्ष** तक होगी।
- इसकी **नवीनीकरण (renewal)** भी आवश्यक होगी।

4. नियमन से जुड़ी शर्तें (Regulation Guidelines):

- प्रत्येक कंपनी को अपने गेम का पंजीकरण कराना होगा और बताना होगा–
  - **राजस्व मॉडल (Revenue Model)** और **यूज़र सुरक्षा उपाय**।
  - यह प्रमाण देना कि कमाई **विज्ञापन, सदस्यता या एक्सेस शुल्क** से होती है, न कि **सट्टे या दांव** से।

5. दंड और अपराध (Penalties and Offences):

- **ऑनलाइन मनी गेमिंग सेवाएँ प्रदान करने पर:** अधिकतम 3 वर्ष की सज़ा और/या ₹1 करोड़ का जुर्माना।
- **ऐसे प्लेटफॉर्म का विज्ञापन करने पर:** अधिकतम **2 वर्ष की सज़ा** और/या **₹50 लाख का जुर्माना।**
- ये **ग़ैर-जमानती अपराध** होंगे।
- कंपनी का पूरा स्टाफ भी **उत्तरदायी** माना जा सकता है।
- दंड तय होगा–
  - उल्लंघन से हुई कमाई,
  - यूज़र्स के नुकसान,
  - और अपराध की पुनरावृत्ति के आधार पर।

6. शिकायत निवारण प्रणाली:

1. **गेम कंपनी का आंतरिक तंत्र**
2. **Grievance Appellate Committee (GAC)** – आईटी नियम, 2021 के अंतर्गत।
3. **ऑनलाइन गेमिंग अथॉरिटी ऑफ इंडिया (OGAI)** – अंतिम अपील प्राधिकारी।

7. विभिन्न मंत्रालयों की भूमिका:

- **ई-स्पोर्ट्स:** युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय
- **सोशल गेम्स:** सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
- **समग्र नियामक जिम्मेदारी:** इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY)
- **I&B मंत्रालय:** सामाजिक खेलों के वर्गीकरण (recreational, educational, skill-based आदि) के लिए **कोड ऑफ प्रैक्टिस** और दिशा-निर्देश जारी करेगा।

महत्व (Significance):

- ऑनलाइन गेमिंग से जुड़ी **सुरक्षा और सामाजिक चिंताओं** का समाधान करता है।
- तेजी से बढ़ते **डिजिटल क्षेत्र के लिए व्यापक विनियमन (comprehensive regulation)** प्रस्तुत करता है।
- **ई-स्पोर्ट्स और गेमिंग में नवाचार** को **सार्वजनिक सुरक्षा और उपभोक्ता संरक्षण** के साथ संतुलित करता है।

चक्रवात शक्ति / Cyclone Shakti

संदर्भ:

महाराष्ट्र में मौसम विभाग ने अरब सागर में बने चक्रवात **'शक्ति'** को लेकर अलर्ट जारी किया है। तेज़ हवाओं, ऊँची लहरों और भारी बारिश की चेतावनी के साथ तटीय इलाकों में एहतियात बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

चक्रवात शक्ति (Cyclone Shakti) – परिचय:

- **वर्गीकरण:** भारतीय मौसम विभाग (IMD) द्वारा इसे **गंभीर चक्रवाती तूफान (Severe Cyclonic Storm – SCS)** के रूप में वर्गीकृत किया गया।
- **निर्माण क्षेत्र:** यह **अरब सागर के मध्य-पूर्वी भाग** में बना।
- **पवन गति:** हवा की गति लगभग **130–145 किमी प्रति घंटा** तक पहुँचने की संभावना जताई गई।
- **वैज्ञानिक महत्व:** यह उष्णकटिबंधीय चक्रवात (Tropical Cyclone) के विकास से जुड़ी **भौतिक प्रक्रियाओं** को समझने के लिए एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जिनमें शामिल हैं –
  - **महासागरीय ऊष्मा सामग्री:** समुद्र की सतह का तापमान और ऊष्मा ऊर्जा।
  - **कोरिओलिस बल:** पृथ्वी के घूर्णन के कारण तूफान की दिशा में परिवर्तन।
  - **वायुमंडलीय अस्थिरता:** तापमान और दाब में अंतर जिससे तूफान बनने की स्थिति बनती है।
- **क्षेत्रीय संदर्भ:**
  - इस प्रकार के चक्रवात उत्तर हिंद महासागर बेसिन (North Indian Ocean Basin) का हिस्सा होते हैं, जिसमें अरब सागर और बंगाल की खाड़ी शामिल हैं।
  - ऐसे उष्णकटिबंधीय तूफान भारत के तटीय क्षेत्रों को पूर्व और पश्च मानसून अवधि में प्रभावित करते हैं।

नामकरण (Naming):

- **नामकरण का आधार:** चक्रवात "शक्ति" (Cyclone *Shakti*) का नामकरण **विश्व मौसम संगठन (WMO)** और **ESCAP पैनल ऑन ट्रॉपिकल साइक्लोन्स** के दिशा-निर्देशों के अनुसार किया गया है।
- **नाम का स्रोत:** "**शक्ति**" नाम **श्रीलंका** द्वारा प्रस्तावित किया गया था। यह शब्द **शक्ति और धैर्य (Power and Resilience)** का प्रतीक है।
- **सदस्य देश:** उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के नाम **13 सदस्य देशों** की सूची से लिए जाते हैं, जिनमें शामिल हैं – **भारत, बांग्लादेश, म्यांमार, ओमान, पाकिस्तान, श्रीलंका, थाईलैंड, ईरान, कतर, सऊदी अरब, यूएई, यमन** और **मालदीव**।
- **नामकरण का उद्देश्य:**
  - चक्रवातों की पहचान को आसान बनाना।
  - भ्रम और दोहराव से बचना।
  - आम जनता में जागरूकता और सतर्कता बढ़ाना।

चक्रवात क्या है?

- **चक्रवात (Cyclone)** एक विशाल, घूमता हुआ तूफान प्रणाली (rotating storm system) है, जिसकी विशेषताएँ हैं – **कम दबाव का केंद्र, तेज़ हवाएँ, भारी वर्षा**
- दुनिया के विभिन्न भागों में इन्हें अलग-अलग नामों से जाना जाता है।

चक्रवात का निर्माण और विशेषताएँ?

कैसे बनते हैं (How They Form):

1. **गर्म समुद्री जल:** समुद्र की सतह का तापमान कम-से-कम **26.5°C** होना चाहिए (लगभग 50 मीटर गहराई तक)। गर्मी और नमी (heat & moisture) तूफान को ऊर्जा देती है।
2. **ऊपर उठती हवा:** गर्म, नम हवा ऊपर उठती है और समुद्र के ऊपर **कम दबाव क्षेत्र** बनाती है।
3. **आसपास की हवा का प्रवेश (Incoming Air):**
   - आस-पास के उच्च-दाब क्षेत्रों से हवा उस कम दबाव क्षेत्र को भरने आती है।
   - यह हवा भी गर्म होकर ऊपर उठती है, जिससे एक **सतत चक्र** बनता है।
4. **कोरिओलिस प्रभाव (Coriolis Effect):**
   - पृथ्वी के घूर्णन (rotation) से हवा मुड़ती है और तूफान घूमने लगता है।
   - **उत्तरी गोलार्ध:** वामावर्त दिशा
   - **दक्षिणी गोलार्ध :** दक्षिणावर्त दिशा (I)।
5. **आँख का निर्माण (Eye Formation):**
   - जब तूफान प्रबल होता है, तो इसके केंद्र में एक **शांत और साफ क्षेत्र** बनता है **"आँख"** कहा जाता है।
   - यही वह स्थान होता है जहाँ **वायुमंडलीय दबाव सबसे कम** होता है।

क्षेत्र के अनुसार नामकरण (Naming by Region)

क्षेत्र (Region)	चक्रवात का नाम (Name Used
उत्तर अटलांटिक, मध्य और पूर्वी उत्तरी प्रशांत महासागर	Hurricane (हरिकेन)
उत्तर-पश्चिमी प्रशांत महासागर	Typhoon (तूफ़ान)
दक्षिण प्रशांत और हिंद महासागर (जिसमें बंगाल की खाड़ी और अरब सागर शामिल हैं)	Cyclone (चक्रवात)

CO_2 निषेचन और अमेज़न वर्षावन / CO_2 Fertilisation and the Amazon Rainforest

संदर्भ:

एक नए अध्ययन **"Increasing Tree Size Across Amazonia"** में पाया गया है कि अमेज़न वर्षावन के पेड़ वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) की बढ़ती सांद्रता के कारण आकार में बड़े हो रहे हैं।

अध्ययन के प्रमुख निष्कर्ष (Key Findings of the Study):

शोध सहयोग: यह अध्ययन **दक्षिण अमेरिका, यूरोप और यूनाइटेड किंगडम** की लगभग **60 विश्वविद्यालयों** के **100 वैज्ञानिकों** द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

अवधि (Duration)

- अवलोकन अवधि (Observation period) प्रत्येक क्षेत्र में भिन्न रही।
- कुछ क्षेत्रों के **डेटासेट 30 वर्षों से अधिक** समय तक फैले हुए थे।

मुख्य निष्कर्ष (Key Findings):

1. **औसत वृक्ष व्यास:** अमेज़न वन (Amazon Forest) में वृक्षों का औसत व्यास प्रति दशक लगभग **3.3% बढ़ा** पाया गया।
2. **सामान्य स्थिति से विचलन:**
   - परिपक्व वनों (Mature Forests) में आमतौर पर वृक्षों का आकार स्थिर रहता है क्योंकि नए पौधे गिरे हुए पेड़ों की जगह ले लेते हैं।
   - लेकिन इस अध्ययन में पाया गया यह **विचलन (Deviation)** किसी **बाहरी कारक** के प्रभाव को दर्शाता है।
3. **मुख्य कारण:**
   - यह परिवर्तन **वायुमंडलीय कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2)** की वृद्धि से जुड़ा पाया गया।
   - पिछले **तीन दशकों में CO_2 स्तर लगभग 20% बढ़ा** है।
4. **CO_2 का प्रभाव:**
   - अध्ययन के अनुसार, **CO_2 "उर्वरक" की तरह कार्य करता है**, जिससे वृक्षों की वृद्धि दर बढ़ती है।
   - यह तथ्य सकारात्मक है क्योंकि **लकड़ी (wood)** वैश्विक स्तर पर **महत्वपूर्ण कार्बन सिंक (carbon sink)** का काम करती है, जिससे वातावरण में कार्बन का संतुलन बनाए रखने में मदद मिलती है।

मुख्य कारण और प्रभाव (Main Factor and Impact of the Phenomenon) :

मुख्य कारण (Main Factor):

- इस घटना का प्रमुख कारण **वायुमंडलीय कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2)** की सांद्रता में वृद्धि है।
- पिछले **तीन दशकों में CO_2 का स्तर लगभग 20% बढ़ा** है।

प्रक्रिया (Mechanism):

- अधिक मात्रा में CO_2 होने से **प्रकाश संश्लेषण (Photosynthesis)** की दर बढ़ती है।
- इससे पौधों की **वृद्धि तेज़ होती है** और उनमें **जैव द्रव्यमान** तेजी से एकत्र होता है।

अमेज़न वर्षावन (Amazon Rainforest) – परिचय:

- **स्थान:** दक्षिण अमेरिका के **अमेज़न बेसिन** में स्थित।
- **आकार:** लगभग **6.7 मिलियन वर्ग किलोमीटर** में फैला हुआ।
- **देश:** नौ देशों में फैला है, जिनमें से अधिकांश (**लगभग 60%**) ब्राज़ील में स्थित हैं।
- **जलवायु:** उष्णकटिबंधीय (Tropical) – साल भर **गर्म तापमान और अत्यधिक वर्षा**।

महत्त्व (Significance):

1. "पृथ्वी के फेफड़े" (Lungs of the Earth):

- यह उपनाम इस तथ्य को दर्शाता है कि अमेज़न वर्षावन **पृथ्वी के जलवायु नियंत्रण** में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- यह **अरबों टन कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2)** अवशोषित करता है और **ऑक्सीजन (O_2)** छोड़ता है।

2. जैव विविधता (Biodiversity):

- अमेज़न पृथ्वी का सबसे **जैव विविधता युक्त (Biodiverse) पारिस्थितिकी तंत्र** माना जाता है।
- इसमें विश्व की ज्ञात प्रजातियों का लगभग **10%** निवास करता है।
- इसमें शामिल हैं:
  - सैकड़ों स्तनधारी (Mammals)
  - हजारों मछली की प्रजातियाँ
  - मिलियनों कीट (Insects)

3. आदिवासी संस्कृतियाँ (Indigenous Cultures):

- वर्षावन में **30 मिलियन से अधिक लोग** रहते हैं।
- ये लोग **350 से अधिक अलग-अलग जातीय समूहों** से संबंधित हैं।
- इनमें से कई लोग बाहरी दुनिया से **लगभग पृथक** जीवन जीते हैं।

बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका / Habeas Corpus Petition

संदर्भ:

जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी, ने उनके राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (NSA) के तहत हिरासत को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में **हैबियस कॉर्पस याचिका** दाखिल की है।

याचिका की पृष्ठभूमि (Background on the Petition):

याचिका का उद्देश्य (What it Challenges):

- आंगमो (Angmo) ने अपने पति सोनम वांगचुक (Sonam Wangchuk) की तत्काल रिहाई की मांग की है।
- याचिका में **कड़ा कानून (NSA – National Security Act)** लागू कर उनकी गिरफ्तारी को अवैध (Unlawful) और "जादू-टोना अभियान (Witch-hunt)" बताया गया है।
- उसने सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया है कि अधिकारियों को उसके पति की स्थिति और गिरफ्तारी के कारण सार्वजनिक रूप से बताने का निर्देश दें।

NSA के तहत हिरासत (Detention under NSA):

- **तारीख:** 26 सितंबर 2025 को सोनम वांगचुक को हिरासत में लिया गया।
- **स्थान:** बाद में उन्हें जोधपुर सेंट्रल जेल, राजस्थान स्थानांतरित किया गया।
- **पृष्ठभूमि:** हिरासत 24 सितंबर 2025 को लद्दाख में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद हुई, जिसमें चार लोगों की मौत हुई थी।

सरकारी आरोप (Official Allegations):

- सरकार का दावा है कि वांगचुक के "उत्तेजक बयानों (Provocative Statements)" ने हिंसा को बढ़ावा दिया।
- अधिकारियों ने यह भी आरोप लगाया कि उनका पाकिस्तानी खुफिया अधिकारी के साथ संबंध है।
- आंगमो ने इन आरोपों को सार्वजनिक रूप से खारिज किया है।

राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (NSA), 1980 –

- **प्रवर्तन:** 23 सितंबर 1980 को।
- **उद्देश्य:** भारत की रक्षा, सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था, विदेश संबंध और आवश्यक सेवाओं की सुरक्षा के लिए **रोकथामात्मक हिरासत**।
- **रोकथामात्मक हिरासत:** अपराध रोकने के लिए, पूर्व अपराध के लिए नहीं।
- **प्राधिकरण:** केंद्र और राज्य सरकार; जिला मजिस्ट्रेट/पुलिस आयुक्त राज्य सरकार की अनुमति से हिरासत दे सकते हैं।
- **अवधि:** अधिकतम 12 महीने, नए सबूत मिलने पर बढ़ाई जा सकती है।
- **हिरासत में अधिकार:** हिरासत के कारण बताए जाते हैं, सरकार को आपत्ति दर्ज कर सकते हैं, **हाईकोर्ट सलाहकार बोर्ड** समीक्षा करता है, कानूनी प्रतिनिधित्व नहीं मिलता।

हैबियस कॉर्पस (Habeas Corpus) – परिचय:

अर्थ (Meaning):

- हैबियस कॉर्पस का शाब्दिक अर्थ है **"शरीर को सामने लाना" (to have the body of)**।
- यह **एक आदेश (Court Order)** है, जिसके तहत अदालत उस प्राधिकारी या व्यक्ति को निर्देश देती है जो किसी अन्य व्यक्ति को हिरासत में रख रहा है, कि वह **हिरासत में रखे गए व्यक्ति को अदालत में पेश करे।**

सांवैधानिक आधार (Constitutional Basis):

- **अनुच्छेद 32 (Supreme Court)** और **अनुच्छेद 226 (High Courts)** के तहत उपलब्ध।
- यह व्यक्तियों को **अवैध हिरासत (Illegal Detention)** के खिलाफ चुनौती देने और **तत्काल रिहाई (Immediate Release)** की मांग करने का अधिकार देता है।
- यह **कार्यपालिका के दुरुपयोग और मनमानी गिरफ्तारी** के खिलाफ एक महत्वपूर्ण संवैधानिक सुरक्षा उपाय है।

उद्देश्य (Purpose):

- व्यक्तिगत स्वतंत्रता (Personal Liberty) की रक्षा करना।
- मनमाने या अवैध हिरासत (Arbitrary or Unlawful Detention) के खिलाफ सुरक्षा।
- आदेश **निजी (Private)** और **सार्वजनिक (Public)** दोनों प्राधिकरणों के खिलाफ जारी किया जा सकता है।

जारी करने की सीमाएँ (Limitations on Issuance):

1. जब हिरासत **कानूनी (Lawful)** हो।
2. अदालत या विधान सभा के **अवमानना (Contempt) के मामलों** में।
3. जब हिरासत **योग्य अदालत (Competent Court)** द्वारा आदेशित हो।
4. यदि हिरासत में लिया गया व्यक्ति **आदेश देने वाली अदालत के क्षेत्राधिकार के बाहर** हो।

पंडित छन्नूलाल मिश्र / Chhannulal Mishra

संदर्भ:
पंडित छन्नूलाल मिश्र (1936-2025) बनारस घराने के प्रख्यात हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायक थे, जो शास्त्रीय, अर्ध-शास्त्रीय और भक्ति संगीत में अपनी अद्वितीय पकड़ के लिए प्रसिद्ध थे। उनका निधन 2 अक्टूबर 2025 को 89 वर्ष की आयु में हुआ।

पंडित छन्नूलाल मिश्र का संगीत करियर:

संगीत प्रशिक्षण और प्रभाव:
- जन्म **हरिहरपुर, आज़मगढ़, उत्तर प्रदेश** में।
- प्रारंभिक प्रशिक्षण अपने पिता **पंडित बद्री प्रसाद मिश्रा** से।
- आगे प्रशिक्षण **उस्ताद अब्दुल गनी खान (किराना घराना)** और **संगीतज्ञ ठाकुर जयदेव सिंह** से।
- इन गुरुओं ने उन्हें **भारतीय शास्त्रीय संगीत** की गहरी समझ दी।

शैली और महारत:
- खयाल परंपरा में निपुण, **पुरब अंग ठुमरी** में विशेष ख्याति।
- ठुमरी के साथ **लोकधुनों** (दादरा, छैती, कजरी) और भजनों में भी उत्कृष्ट।
- संगीत की **भावनात्मक गहराई** और जनता से जुड़ने की क्षमता।
- वाराणसी घराने की **आध्यात्मिक आवाज** के रूप में प्रसिद्ध।
- शास्त्रीय संगीत को नई पीढ़ियों के लिए सुलभ बनाया।

प्रमुख कृतियाँ:
- **सुनदरकांड (चार खंड)** में भक्ति गायन।
- **राम राग** एल्बम - "राजा राम" शब्द पर आधारित घंटे लंबा गीत।
- फ़िल्म **आरक्षण (2011)** में भी उनकी मधुर आवाज़।

पुरस्कार और सम्मान:
- **पद्म विभूषण (2020)** - भारत का दूसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान।
- **पद्म भूषण (2010)** - भारत का तीसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान।
- **संगीत नाटक अकादमी फैलोशिप** - सर्वोच्च संगीत सम्मान।
- अन्य: उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, नौशाद पुरस्कार, यश भारती पुरस्कार आदि।

अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संगठन / ISSA

संदर्भ:
भारत को **कुलालंपुर में हुए वर्ल्ड सोशल सिक्योरिटी फोरम 2025** में सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए **अंतरराष्ट्रीय सोशल सिक्योरिटी एसोसिएशन (ISSA) अवार्ड 2025** से सम्मानित किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संगठन (ISSA):
- **ISSA** दुनिया का प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय संगठन है जो सामाजिक सुरक्षा संस्थानों और सरकारी विभागों को जोड़ता है।
- यह **160+ देशों** की राष्ट्रीय प्रशासनिक इकाइयों और एजेंसियों को एक मंच प्रदान करता है।
- उद्देश्य: **सामाजिक सुरक्षा प्रणालियों को विकसित करना और उन्हें बेहतर बनाना।**

इतिहास:
- **स्थापना:** 1927 में ब्रसेल्स में, मूल नाम था *International Conference of Sickness Insurance Funds and Mutual Benefit Societies.*
- **ILO से संबंध:** अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) के तहत स्थापित, मुख्यालय जेनेवा, स्विट्ज़रलैंड में।
- **विस्तार:** 1936 में बीमारियों के बीमा से व्यापक सामाजिक बीमा तक विस्तार।
- **वर्तमान नाम:** 1947 में *International Social Security Association* अपनाया।

मिशन और उद्देश्य:
- **सैद्धांतिक लक्ष्य:** सामाजिक न्याय के आधार पर लोगों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति को सुधारना।
- **मिशन:** *Dynamic Social Security* को बढ़ावा देना और सामाजिक सुरक्षा प्रशासन में उत्कृष्टता को सुनिश्चित करना।
- **ज्ञान और वकालत:** अनुसंधान करना, विशेषज्ञ सलाह देना, अच्छी प्रथाओं को साझा करना और वैश्विक सामाजिक सुरक्षा के लिए समर्थन देना।

भारत की उपलब्धियाँ: अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ (ISSA) पुरस्कार ने भारत में सामाजिक सुरक्षा कवरेज के विस्तार को मान्यता दी है, जो 2015 में 19% से बढ़कर 2025 में 64.3% हो गया है और अब 940 मिलियन से अधिक नागरिकों तक पहुँच रहा है।

GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
इतिहास
अर्थव्यवस्था
भूगोल
भारतीय संविधान एवं राजव्यवस्था
1500x4
~~₹6000/-~~
₹4500/-
रोज़ाना लाइव क्लासेस
साप्ताहिक टेस्ट
क्लास की पीडीएफ (हिंदी + अंग्रेज़ी में)
लाइव डाउट सेशन
रोज़ाना प्रैक्टिस प्रश्न
COURSE VALIDITY
1 YEAR

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
FOUNDATION COURSE
OF MUTUAL FUND
INVEST IN KNOWLEDGE GROW YOUR WEALTH
COMBO OFFERS
COURSE FEE
₹4000/-
OFFER PRICE
₹2800/-
Course Validity
1 YEAR
BBK
Baaten Bazaar ki
एक निवेश समझदारी से..

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
Course fee
₹1999/-
COURSE VALIDITY
1 YEAR
Baaten Bazar Ki
INVESTMENT की करो जीरो से शुरुवात

FOUNDATION COURSE OF
MUTUAL FUND
Invest in Knowledge
Grow Your Wealth
Course fee
₹1999/-
COURSE VALIDITY
1 YEAR
FUN
15%
एक निवेश समझदारी से..

PORTFOLIO BUILDING AND MANAGEMENT COURSE

BBK
BaatenBazar ki

EMI AVAILABLE

+ **(FUNDAMENTAL OF STOCK MARKET)** FREE

- Long-Term Investing Foundations
- Principles of Value Investing and Stock
- Portfolio Construction Mastery
- Sectoral Investing
- Stock Picking Framework
- Active Portfolio Management Techniques
- Mega Cap vs Mid Cap Strategy

SPECIAL BONUS

COURSE VALIDITY
1 YEAR